

Twitter Thread by Vibhu Vashisth ■■



Vibhu Vashisth ■■

[@VIBHU_Tweet](#)



■Vastu Shastra: The ancient Science of Home and Prosperity building.■

Vastu Shastra, the ancient system of building construction incorporates traditional Hindu beliefs. The designs of Vastu Shastra aims to integrate architecture with the environment, the relative functions...



...of various parts of the buildings and antique theories operating symmetrical patterns (yantra) and maneuvering placements.

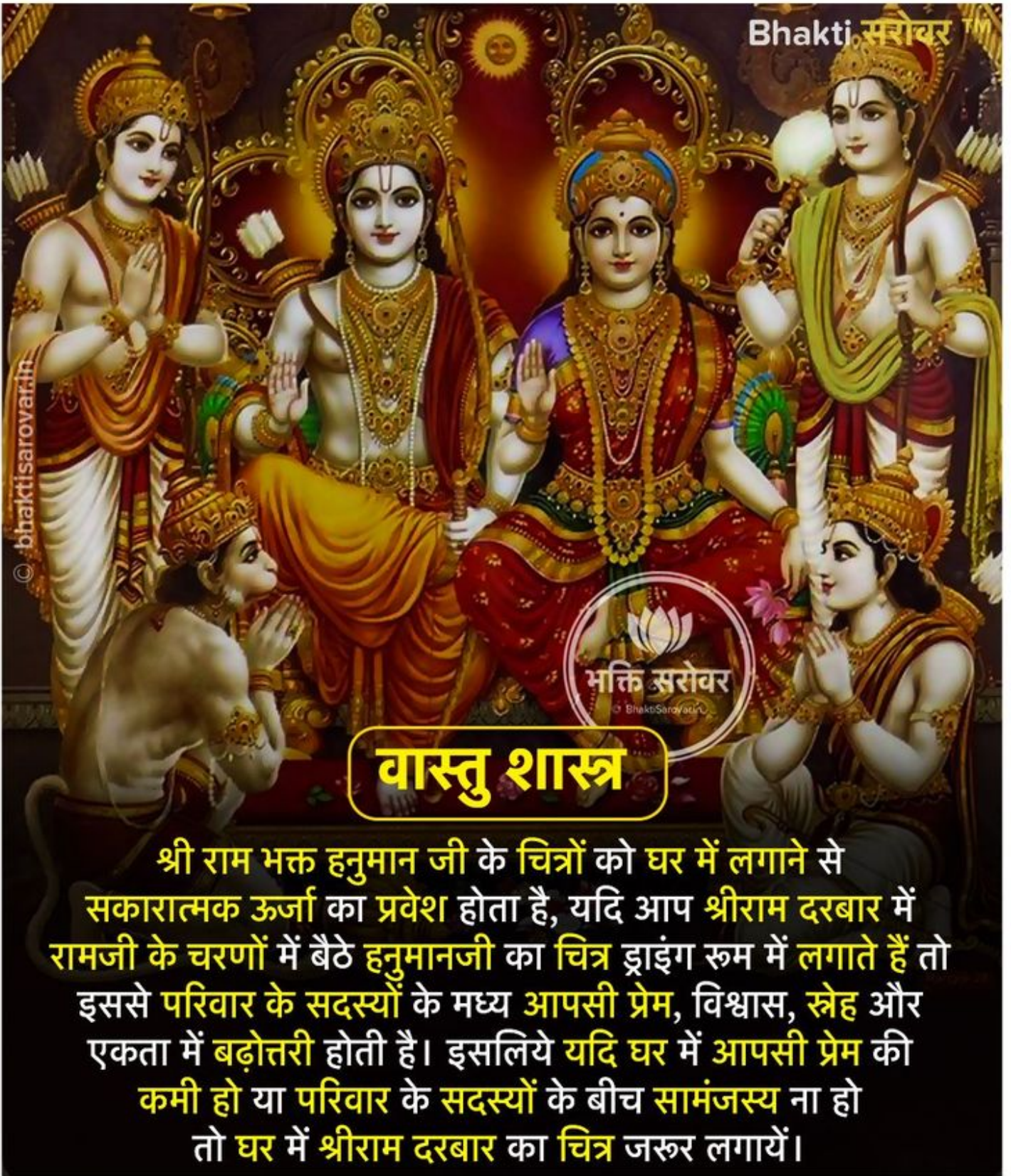
Basically, Vastu Shastra is the literal part of Vastu Vidya—the wider knowledge about building construction & design scheme models from earliest history.



वास्तु शास्त्र

घर के मुख्य द्वार पर ॐ, स्वास्तिक, या शुभ-लाभ का चिन्ह जरूर लगवाएं, साथ ही गणेश जी की एक छोटी प्रतिमा द्वार के ठीक ऊपर लगवाना शुभ माना गया है, इससे घर बुरी नजर से बचा रहता है।

It is not something that deals with permanent procedures and plans but instead defines a theory of various designs, the pool of thoughts and perceptions, with different types of layout, figures, and sketches.



श्री राम भक्त हनुमान जी के चित्रों को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है, यदि आप श्रीराम दरबार में रामजी के चरणों में बैठे हनुमानजी का चित्र ड्राइंग रूम में लगाते हैं तो इससे परिवार के सदस्यों के मध्य आपसी प्रेम, विश्वास, स्नेह और एकता में बढ़ोत्तरी होती है। इसलिये यदि घर में आपसी प्रेम की कमी हो या परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य ना हो तो घर में श्रीराम दरबार का चित्र जरूर लगायें।

These ideas are mostly the collections of the internal decor, building outlook, gardening, and house plan.

The term Vastu is composed of two Sanskrit words 'Vastu' and 'Shastra' where Vastu means house, habitation, building on land or ground and Shastra means teaching or doctrine.



धनतेरस या दीपावली के दिन घर के मुख्य द्वार पर माता लक्ष्मी के पदचिह्न लगाने से बेहद शुभ संयोग बनता है, पदचिह्न लगाते समय ध्यान रखें कि माँ लक्ष्मी के पैर की दिशा घर के भीतर प्रवेश करते हुये हो। इससे घर के भीतर धन-धान्य और माँ लक्ष्मी का आगमन होता है।

Hence, Vastu Shastra is the doctrine of designing houses.

Vastu Shastra is an old scientific theory that is over 5000 years old. The texts on Vastu Shastra can be found back in 1500-1000 BCE.



वास्तु शास्त्र

भगवान शिव की जटाओं में निवास करने वाली माँ गंगा का जल यदि घर के पूजा स्थान पर रखा जाये तो घर में आ रही बाधाएँ समाप्त होती हैं, और जीवन में तरक्की एवं शौभाग्य की प्राप्ति होती है। ध्यान रखें कि गंगा जल को कभी भी प्लास्टिक की बोतल में ना रखें, यह जल ताम्बे के पात्र में ही रखना चाहिये।

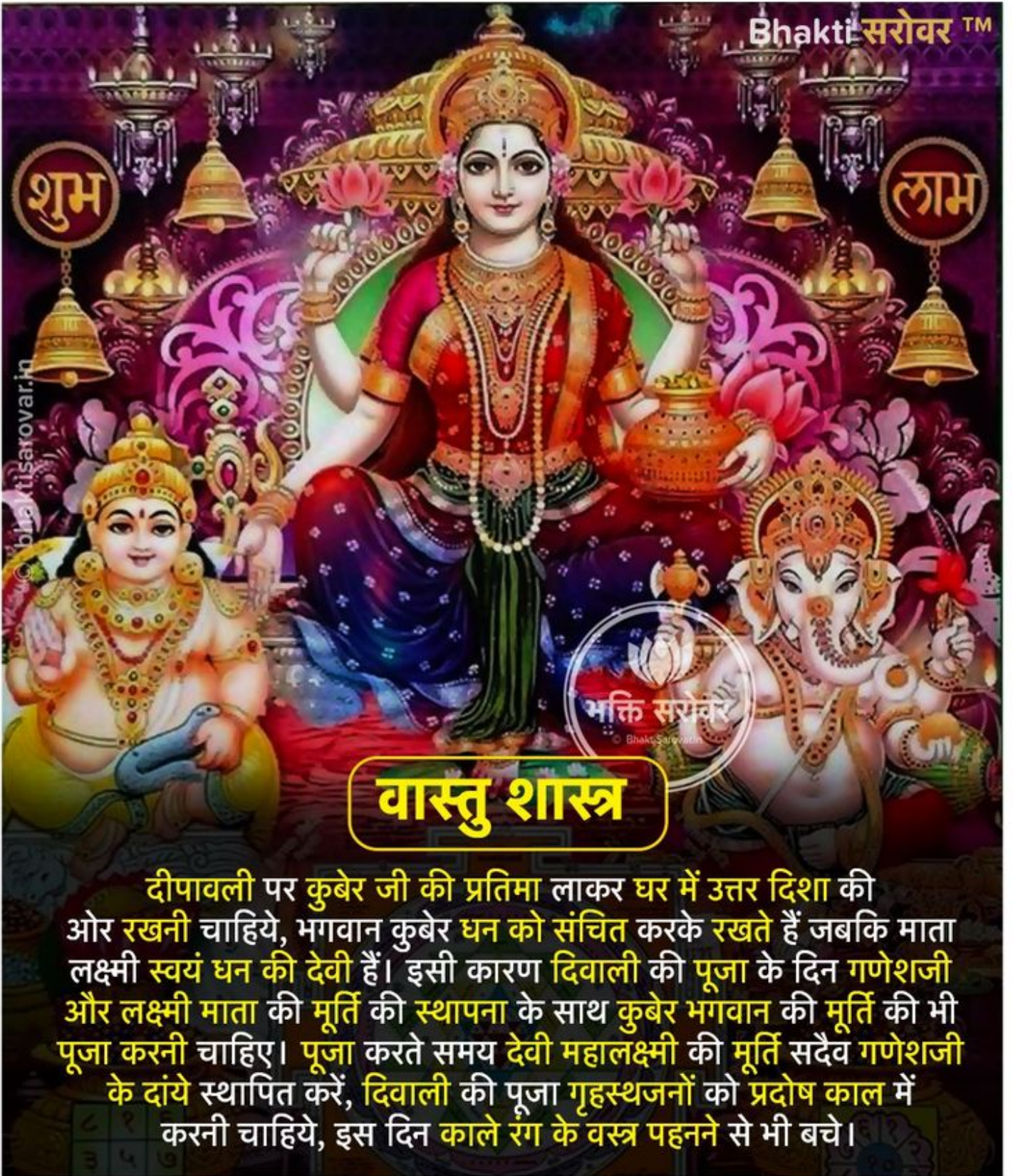
The initial archives of the account of Vastu Shashtra lie within the Vedas, (oldest scriptures of Hinduism). Among the four Vedas, the Rig Veda explains about the Vastu Shastra and mentions Vastospati as the protector of the house.



वास्तु शास्त्र

शास्त्रों के अनुसार किसी भी धार्मिक कर्म को सीधे हाथ से ही करना चाहिये, इसी प्रकार किसी भी कार्य की शुरुआत सीधे हाथ, सीधे पैर को आगे बढ़ाकर की जाए तो सफलता मिलने की संभावनाएं बढ़ती हैं। घर से निकलने से पहले सीधा पैर बाहर रखने से शुभ शकुन होता है, कार्यों के प्रति सकारात्मक सोच भी बनती है। अतः घर से बाहर निकलते समय ध्यानपूर्वक सदैव सीधा पैर ही पहले बाहर निकाले ऐसा करने से सफलता मिलने के योग बढ़ जाते हैं।

Vastu Shastra has been explained in numerous Hindu Puranas, Sanskrit treatises, Hindu literature, and Manu Scriptures written by Sages in the past are the main sources of Vastu Shastra. One of its theories can be found in The Brihat Samhitha by Varamhira.



दीपावली पर कुबेर जी की प्रतिमा लाकर घर में उत्तर दिशा की ओर रखनी चाहिये, भगवान कुबेर धन को संचित करके रखते हैं जबकि माता लक्ष्मी स्वयं धन की देवी हैं। इसी कारण दिवाली की पूजा के दिन गणेशजी और लक्ष्मी माता की मूर्ति की स्थापना के साथ कुबेर भगवान की मूर्ति की भी पूजा करनी चाहिए। पूजा करते समय देवी महालक्ष्मी की मूर्ति सदैव गणेशजी के दांये स्थापित करें, दिवाली की पूजा गृहस्थजनों को प्रदोष काल में करनी चाहिये, इस दिन काले रंग के वस्त्र पहनने से भी बचे।

This document has altogether 106 chapters, among which Chapter 53 has a full description on Vastu Shastra. Besides, The Matsya Purana also describes the Vastu Shastra as a Rakshasa – protector of human wellbeing. Likewise, other few Hindu scriptures such as...



वास्तु शास्त्र

भस्म को भगवान शिव की प्रिय वस्तुओं में से एक माना गया है, घर के मंदिर में भस्म रखने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। यह भस्म घर में आ रही सभी परेशानियों को समाप्त करने वाली मानी जाती है।

Typo* Read 'Rakshasa' as 'Rakshaka' guys ■

...Chakra Shastra, Devalaya Lakshana, Agni Purana, and so forth elucidates a lot about Vastu Shastra.

According to the Vastu Shastra, the human body is the combination of Pancha Tatwa (5 elements namely; fire, earth, water, air, and sky).

वास्तु शास्त्र

घर में सदैव गणेश जी की बैठी हुयी मुद्रा की प्रतिमा या चित्र को ही लगाना चाहिये, जिन चित्रों या मुर्तिओं में गणेश जी खड़े हों उन्हें केवल कार्यस्थल वाली जगहों पर ही लगाना चाहिये। जिन चित्रों में श्री गणेश जी खड़े हों उन्हें लगाते समय यह विशेष ध्यान रखें कि गणेशजी के दोनों पैर जमीन पर स्पर्श कर रहे हो। ऐसा होने से कार्यों में स्थिरता बनी रहती है और व्यापार में शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

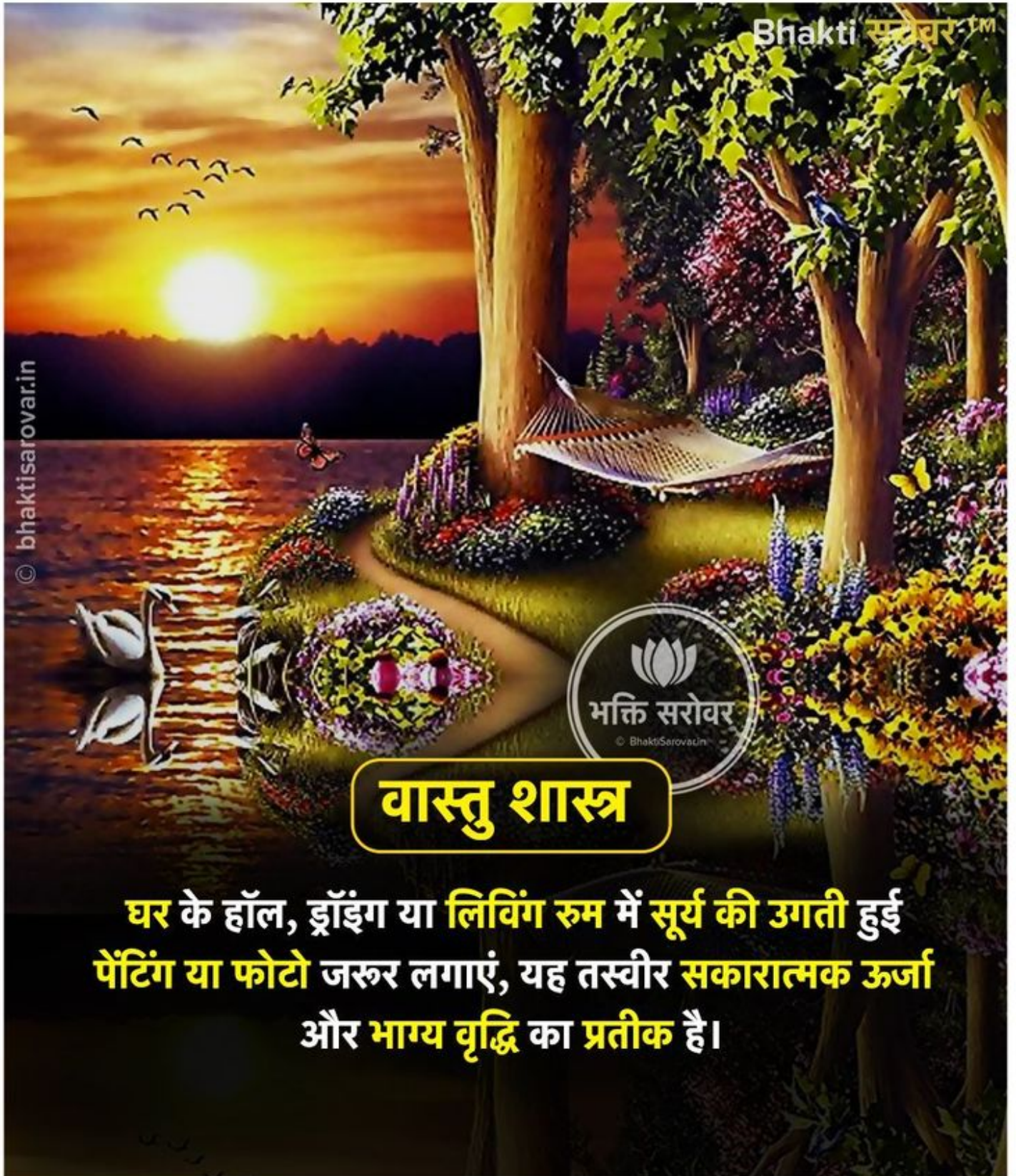
The principles of Vastu Shastra say that if these five elements are positioned appropriately in a home, they will release positive energies from all directions.

Air signifies satisfaction, joy, and happiness which controls the eastern direction.

Earth gives constancy and stability which remains at the center of the house.

Water connotes new thoughts, the stream of new chances, and good wellbeing which rules the North direction.

Fire signifies heat and light and provides self-reliance, zeal, confidence,...



..and power which exists in southern direction of a house.

Sky helps in receiving new prospects & considerate new artistic thinking.

These 5 elements r somehow linked with 5 senses of taste,touch,smell, hearing,sight &any kind of imbalance that affects the well-being of humans.

Therefore, the architecture of a town, city, or house of people has to be in synchronization with these five elements and the five senses for their well-being.



Bhakti सरोवर

© bhaktisarovar.in


भक्ति सरोवर
© BhaktiSarovar.in

वास्तु शास्त्र

प्राचीन समय से यह परंपरा चली आ रही है कि घर से बाहर दही का सेवन करके ही निकलना चाहिए, चूँकि दही को पवित्र माना जाता है, इसका पूजन सामग्री में भी उपयोग होता है अतः इसका सेवन करके प्रस्थान करना बहुत ही शुभ माना गया है, दही खाने से विचार भी सकारात्मक होते हैं। यदि यात्रा पर जाते समय माँ, पत्नी या बहन के हाथों से दही का सेवन किया जाये तो यह बहुत ही उत्तम है।

Further it is also believed that the movement of the magnetic currents and the magnetic fields, gravitational effects of Earth, the direction and the velocity of the winds, light and heat of the Sun affect the well-being of humans as well.

Vastu does not mean that people do not have to rely on modern means of architecture. Vastu Shastra are small pieces of advice, which one can incorporate while building homes to get a better outcome for happiness and prosperity.



Bhakti सरोवर

भक्ति सरोवर
© BhaktiSarovar.in

वास्तु शास्त्र

वैदिक शास्त्र में माता सरस्वती को विद्या की देवी माना गया है, माँ सरस्वती का वाद्य यंत्र वीणा घर में रखने से बच्चों और पारिवारिक सदस्यों में बुद्धि का विकास होता है, इससे हर स्थिति में धैर्य बनाए रखने की शक्ति भी मिलती है।

With the correct application of Vastu Shastra, one can experience,

Positive energy supports to protect home or surroundings from negativity and evil eyes

Spiritual growth invites calmness and love within the home

Progress and success ensures monetary wealth and eliminates all the problems that are limiting one from having financial blessings

Balanced family relation aids maintain relationship positively

Extreme happiness in life helps to acquire good vibes and positive energy at home.



वास्तु शास्त्र

घर के जिस भी हिस्से में परिवार के सभी सदस्य ज्यादा समय बिताते हों, वहाँ तांबे के लोटे में जल या गंगा जल भरकर रखें। ऐसा करने से घर के सदस्यों के बीच प्रेम और विश्वास बना रहता है।

Examples of some ancient propeties made according to Vastu Shastra

Ramayana, states about architect Maya who built Mayasabha with correct Vastu application. Similarly, Mahabharata states about architect Vishwakarma who built Dwarka.

Besides, Ayodhya, Taj Mahal, and many more ancient structures were made as per the principles of Vastu Shastra.

Vastu Shastra is hence something that needs to be considered while building houses so as to maintain a happy and healthy family life.



Bhakti सरोवर™

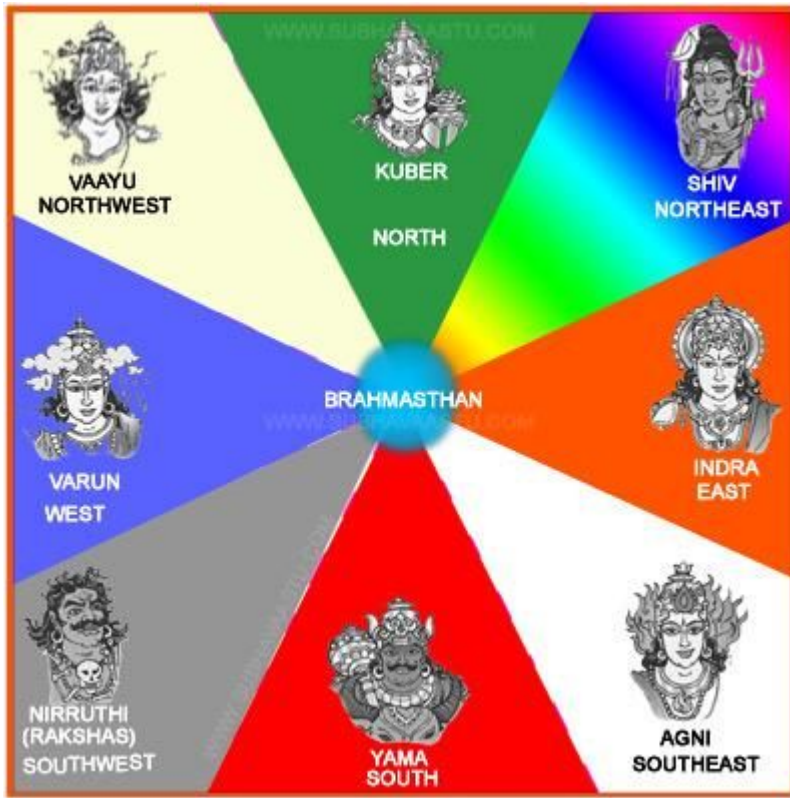
© bhaktisarovar.in


भक्ति सरोवर
© BhaktiSarovar.in

वास्तु शास्त्र

तुलसी श्री हरी को अति प्रिय हैं इसलिये इनके पौधे को घर में लगाना अति शुभ माना गया है, लेकिन कुछ विशेष दिनों में तुलसी की पत्तियों को भूल कर भी नहीं तोड़ना चाहिये। चंद्रगहण, एकादशी और रविवार के दिन तुलसी जी की पत्तियों को नहीं तोड़ा जाता है, इसके साथ ही संध्या के समय भी तुलसी के पत्तों को नहीं तोड़ना चाहिये। अगले दिन पूजा में चढ़ाने के लिये तुलसी की पत्तियों को एक दिन पहले ही तोड़ कर रख लेना चाहिये।

It is of course difficult to abide by everything that Vastu Shastra suggests but one can still make an effort to at least obey a few of its suggestions and advice best possible on their end.



[@LostTemple7](#) [@VertigoWarrior](#) [@Voice_For_India](#) [@ShefVaidya](#) [@rightwingchora](#) [@Jayatu_Sanatan](#) [@Sassy_Hindu](#)
[@InfoVedic](#) [@Vedic_Woman](#) [@vedicignca](#) [@hathyogi31](#)